1	2	3	4	5	6	7
63	Lebanon	0	0	0	0	0
64	Latvia	0	2	0	0	0
65	Luxembourg	0	0	2	0	0
66	Mexico	0	2	3	1	0
67	New Zealand	0	2	1	0	0
68	Panama	0	0	2	0	0
69	Poland	1	0	1	0	0
70	Portugal	1	1	1	0	0
71	Qatar	0	1	0	0	0
72	Saudi Arabia	0	2	8	0	0
73	Scotland	0	0	0	0	0
74	Slovakia	0	0	1	0	0
75	Slovenia	0	0	0	0	0
76	Turkey	0	0	0	0	0
77	Venezuela	0	0	0	0	0
78	Uruguay	0	1	0	0	0
79	Yugo lavia	0	1	0	0	0
80	NRI	6	49	127	168	15
81	Euro Issues	0	0	0	22	0
82	Others	0	1	6	5	0
	TOTAL :	289	692	785	1062	96

Shortage of newsprint in the Country

1561. SHRI JOYANTA ROY: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government are aware about the recent shortage of Newsprint in the country;

(b) if so, the steps taken for resolving the issue;

(c) the quantity of newsprint imported annually to meet the demand; and

(d) the rate of duty charged on imported newsprint?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF INDUSTRY (SHRIMATI KRISHNA SAHI): (a) and (b) The indigenous production of newsprint does not meet its full demand in the country. Therefore, its import is being allowed. Import of newsprint which was canalised through STC earlier, has been decanalised w.e.f. 1.4.1992. Its import is governed by the provision of Public Notice No. 4-ITC (PN)/92-97 dated 31.3.1992. According to this notification, newspaper units with an annual entitlement of more than 200 MT [as determined by the Registrar

of Newspapers for India (RNI)] can import 1 MT of standard newsprint against purchase of every 2 MT of indigenously produced newsprint. The newsprint can be purchased by them from any of the mills listed in Schedule I to the Newsprint Control Order, 1962. Newspaper units with annual entitlement of less than 200 MT can import standard newsprint on the basis of Annual Entitlement Certificate issued by the NRI.

(c) The quantity of newsprint imported during the three years has been as under:-

Period	Quantity lakh (tonnes)
1992-93	2 43
1993-94	3 11
1994-95	1 75
(April '94 to Nov.' 94)	

(d) There is no customs duty on import of newsprint.

उद्योगों में रोजगार

1562. श्री आस मोहम्मद : क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) लघु तथा कुटीर औद्योगिक क्षेत्र की तुलना में देश के औद्योगिक क्षेत्र में कितने व्यक्ति रोजगार में लगे हुए हैं ;

(ख) कुल औद्योगिक उत्पादन की तुलना में लघु और कुटीर उद्योगों में वार्षिक आधार पर हुए उत्पादन का प्रतिशत कितना है ;

(ग) कुल औद्योगिक निर्यात की तुलना में लघु और कुटीर उद्योगों से वार्षिक आधार पर कुल कितने उत्पादन का निर्यात किया जा रहा है ;

(घ) समूचे औद्योगिक क्षेत्र को प्रदत्त ऋण की तुलना में बैंकों तथा अन्य वित्तीय संस्थानों द्वारा लघु और कुटीर उद्योगों को कितना ऋण प्रदान किया गया; और

(ङ) लघु और कुटीर उद्योगों की तुलना में बड़े उद्योगों को दिए गए ऋण पर किस दर से ब्याज लिया गया है ?

उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) मार्च, 1992 (उपलब्ध नवीनतम आंकड़ों) की स्थिति के अनुसार औद्योगिक क्षेत्र और लघु व कुटीर उद्योग क्षेत्र (वी.एस.आई.) में नियोजित व्यक्तियों की अनुमानित संख्या इस प्रकार है : –

	रोजगार* (संख्या लाख में)
कुल औद्योगिक क्षेत्र	512.98
लघु तथा कुटीर उद्योग	448.71

*दोनों पूर्ण कालिक तथा अंशकालिक।

(ख) वर्ष 1993–94 के कुल उत्पादन में लघु तथा कुटीर उद्योगों (बी. एस.आई. क्षेत्र) का अंशदान 50.85 प्रतिशत था।

(ग) लघु तथा कुटीर उद्योगों (बी. एस.आई. क्षेत्र) ने 23,379 करोड़ रुपए मूल्य का सामान निर्यात किया जिसमें 1992–93 (वी.एस.आई. क्षेत्र के लिए नवीनतम उपलब्ध आंकड़े में निर्यात किये गये हीरे व जवाहरातों को शामिल नहीं किया गया है जो देश के निर्यातित सामान का 57.7 प्रतिशत है।

(घ) जून, 1993 की स्थिति के अनुसार अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा लघु उद्योगों को स्वीकृत ऋण की बकाया राशि 20,064 करोड़ रुपए थी। यह अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों द्वारा लघु, मझोले व बड़े उद्योगों को दिए गए कुल